हिंदी दिवस समारोह

मंगलवार,१४.०९.२०२१

दिल से करो हिंदी का सम्मान,
यही है हमारा अभिमान।

देवों के द्वारा विरचित है, ऋषियों ने विस्तृत किया इसे।
अपने मौलिक अनुशीलन से, कवियों ने अमृत किया इसे।
यशवंत शासकों ने दी थी, इसको नूतन परिभाषा है।
यह हिंदुस्तान की अलबेली, जन-जन की हिंदी भाषा है।

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की आत्मा है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकार किया गया। बाद में जवाहरलाल नेहरू सरकार ने इस ऐतिहासिक दिन के महत्व को देखते हुए प्रति वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। 14 सितंबर वह दिन भी है जिसे हम भारत में आधिकारिक हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं। यह न केवल लोगों को अपनी जड़ों से जुड़े रखने के लिए प्रोत्साहित करता है अपितु हिंदी भाषा को भी बढ़ावा देता है। हिंदी दिवस हमें यह एहसास दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि हिंदी भाषा पूरी दुनिया में सबसे प्राचीन और प्रभावशाली भाषाओं में से एक है और ऐसे में हमें अपनी मातृभाषा यानी हिंदी भाषा में बोलने में गर्व महसूस करना चाहिए।

हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भावनाओं का उमड़ता सैलाब है, जो हर दिन सफलता के नए सोपान गढ़ रही है। हिंदी भाषा की जब भी बात आती है तो हमें आधुनिक हिंदी

साहित्य के पितामह कहे जाने वाले महान साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की ये पंक्तियाँ याद आती हैं:

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।

बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।।

हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। हिंदी, संस्कृत भारत की सबसे प्राचीन भाषा है, जिसे 'आर्यभाषा' या 'देवभाषा' भी कहा जाता है। हिंदी इसी आर्यभाषा संस्कृत की उत्तराधिकारिणी मानी जाती है, साथ ही ऐसा भी कहा जाता है कि हिंदी का जन्म संस्कृत की ही कोख से हुआ है।

हिंदी विश्व की लगभग 3,000 भाषाओं में से एक है। इतना ही नहीं हिंदी आज दुनिया की सबसे बड़ी आबादी द्वारा बोली और समझी जानी वाली भाषाओं में तीसरे स्थान पर आती है। सर्वेक्षणों के आधार पर दुनिया की आबादी का 18 प्रतिशत समझता है।

द मॉडर्न स्कूल, राजनगर एक्सटेंशन, गाज़ियाबाद ने आभासीय पटल पर हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय की ओर से अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया, जिनमें कक्षा १ से कक्षा ११ के विद्यार्थियों ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया। सभी प्रतियोगियों का प्रयास प्रशंसनीय रहा।

प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण की भूमिका श्रीमती रेखा कत्याल (सेवानिवृत, विभागाध्यक्ष- हिंदी, रघुवीर सिंह जूनियर मॉडर्न स्कूल) व श्रीमती अल्का लूथरा (सेवानिवृत, विभागाध्यक्ष-हिंदी, मॉडर्न स्कूल बाराखंबा) ने बखूबी निभाई।

प्रतियोगिताओं का विवरण व परिणाम इस प्रकार है:

कक्षा १ - एकल कविता पाठ प्रतियोगिता

तृतीय स्थान - युविका त्यागी
द्वितीय स्थान - प्रज्ञा नेगी
प्रथम स्थान - सौम्या सिंह
कुशल वक्ता - प्रविषा शर्मा व अंश जैन

कक्षा २- एकल कविता पाठ प्रतियोगिता

तृतीय स्थान - अरहान जिंदल
द्वितीय स्थान - अव्यान गुप्ता
प्रथम स्थान - युगांश सैनी
कुशल वक्ता - व्योम पंत

कक्षा ३, ४ व ५- सामूहिक कहानी वाचन प्रतियोगिता

कक्षा ३: प्रथम स्थान (समूह २)

1. अन्वी गुप्ता
2. अथर्व
3. किमाया चौधरी
4. ज्ञांश सिंह

कक्षा ४- प्रथम स्थान (समूह ३)

1. हश्मिता त्यागी
2. यश सिंघल
3. श्रेया
4. वेदांत चौधरी

कक्षा ५- प्रथम स्थान (समूह २)

1. वृंदा त्यागी
2. प्रशंसा
3. युविका रुस्तगी
4. आरोही अग्रवाल

कुशल वक्ता - किमाया, श्रेया, हृद्यांश व प्रशंसा

कक्षा ६, ७ व ८- रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता

कक्षा ६: प्रथम स्थान - विहान रॉय

कक्षा ७: प्रथम स्थान - आदित्य अग्रवाल

कक्षा ८: प्रथम स्थान - वेदांत प्रसाद

कक्षा ९ व १०- वाद-विवाद प्रतियोगिता

प्रथम स्थान - अथर्व गुप्ता

कुशल वक्ता - पार्थ शर्मा

द मॉडर्न स्कूल सभी विद्यार्थियों की मेहनत की प्रशंसा करता है और सभी विजेताओं को बधाई देता है!

'हिंदी में पत्राचार हो, हिंदी में हर व्यवहार हो,

बोलचाल में हिंदी ही अभिव्यक्ति का आधार हो।'